अपने प्रेमी को मेरे बाबा इतना भी मजबूर ना कर भजन लिरिक्स

अपने प्रेमी को मेरे बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर,
तेरे होते जगवालो के,
आगे झुक जाए ना सर,
अपने प्रेमी को मेरें बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर।bd।

तर्ज – रो रो कर फरियाद करा हाँ।

चौखट पे जिस दिन से कन्हैया,
सिर ये आके झुका दिया,
स्वाभिमान से जीना जग में,
तुमने हमको सीखा दिया,
जहां विश्वास के दीप जगाए,
वहां निराशा क्यू करे असर,
अपने प्रेमी को मेरें बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर।bd।

श्याम श्याम जो कहकर तुमसे,
रात दिन ही आस करें,
जग वालों को कहते फिरते,
श्याम कभी ना निराश करे,
फूल खिले जहां श्याम नाम से,
वो गुलशन ना जाए बिखर,
अपने प्रेमी को मेरें बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर।bd।

दानी होकर कैसे कन्हैया,
देना सहारा भूल रहे,
जिसका सब कुछ तुम हो कन्हैया,
वो क्यू फिर मजबूर रहे,
'दीपक' अर्जी तुमसे बाबा,
सुध ले लो तुम अब आकर,
अपने प्रेमी को मेरें बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर।bd।

Bhajan Diary Lyrics,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अपने प्रेमी को मेरे बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर,
तेरे होते जगवालो के,
आगे झुक जाए ना सर,
अपने प्रेमी को मेरें बाबा,
इतना भी मजबूर ना कर।bd।

गायक / प्रेषक – कुंवर दीपक।
8700018045

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com